महत्वपूर्ण एवं खास

कलेक्टोरेट सारंगढ़ में झीरम घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी और अधिकारियों-कर्मचारियों ने कलेक्टोरेट में प्रातः 11 बजे झीरम घाटी के शहीदों को दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सभी ने शपथ लिया कि हम छत्तीसगढ़वासी अपने राज्य में अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं तथा निष्ठापूर्वक शपथ लेते हैं कि हम सभी प्रकार के नक्सलवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे। हम छत्तीसगढ़ राज्य को पुनः शांति का टापू बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित रहेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर निष्ठा पांडेय तिवारी, संयुक्त कलेक्टर भागवत जायसवाल भी उपस्थित थे। जिले के अन्य शासकीय कार्यालय में भी यह आयोजन किया गया।

कलेक्टर डॉ सिद्दीकी ने राजनीतिक दलों की उपस्थिति में व्हीव्हीपैट मशीनों का भंडारण करवाया

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कलेक्टर डॉ फरिहा आलम सिद्दीकी ने कृषि उपज मंडी परिसर स्थित स्ट्रांग रूम में भाजपा और कांग्रेस दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीनों से भरे कंटेनर वाहन का ताला खोला गया और पुलिस अभिरक्षा में व्हीव्हीपैट और अन्य मशीनों को स्ट्रांग रूम में भंडारण करवाया गया। यह निर्वाचन सामग्री कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रायगढ़ से कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सारंगढ़-बिलाईगढ़ के लिए भेजी गई है। कलेक्टर ने इस अवसर पर परिसर में चल रहे भवन मरम्मत के कार्य का निरीक्षण किया और ठेकेदार को शीघ्र कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बरपाली और भंवरपुर गौठान के संबंध में वस्तुस्थिति

सारंगढ़-बिलाईगढ़। नगरपालिका परिषद सारंगढ़ के अंतर्गत आने वाले शहरी क्षेत्र के गौठान बरपाली के संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सारंगढ़ मनीष गायकवाड़ ने जानकारी दी कि बरपाली में दो बार नलकूप खनन किया गया है, लेकिन पानी उपलब्ध नहीं हो पाया इसलिए बरपाली गौठान में पानी नही है। बरपाली गौठान के शेड क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसे मरम्मत कार्य कराया जा रहा है और बाउंड्रीवाल स्वीकृत हुआ है, जिसे निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है। भंवरपुर गौठान के संबंध में सीईओ जनपद पंचायत सारंगढ़ से मिली जानकारी के अनुसार भंवरपुर गौठान के कोटना बनाते समय उस स्थान का समतलीकरण नहीं हुआ था, जिसके कारण बारिश में पानी भर गया। वर्तमान में समतलीकरण हो चुका है। कोटना का मरम्मत किया जा रहा है। भंवरपुर गौठान का बाउंड्रीवाल का राशि स्वीकृत नहीं है। भंवरपुर गौठान में नलकूप में पानी की उपलब्धता है। दिव्या स्वसहायता समूह ने पिछले तीन महीनों में बैंगन, आलू, टमाटर, मिर्ची गोभी आदि का उत्पादन किया। समूह की महिलाओं द्वारा वर्मी कम्पोस्ट का भी उत्पादन किया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष से समूह के खाते में 54 हजार रूपए का लाभ प्राप्त हुआ है।

तेज रफ्तार ऑटो हाईवा से टकराई : चालक की मौत

रायपुर (आरएनएस)। अभनपुर थाना क्षेत्र लक्ष्मी ढाबा के पास एक तेज रफ्तार ऑटो सडक़ किनारे खड़ी हाईवा ट्रक से टकरा गई थी। इस हादसे में घायल ऑटो चालक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना दिनांक 20 मई को ऑटो क्रमांक सीजी 04-एमएस/7586 के चालक मृतक नरेश सिंह चौहान पिता चुन्ना सिंह चौहान निवासी संजय नगर टिकरापारा अपनी ऑटो में पत्नी व बेटे को लेकर अभनपुर गया हुआ था। बताया जाता है कि इसी दौरान लक्ष्मी ढाबा के निकट प्रार्थी का ऑटो सडक़ किनारे खड़ी एक हाईवा ट्रक से टकरा गया था। हादसे में बुरी तरह से जख्मी नरेश सिंह को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में अब मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुरखों और प्रकृति को देवी-देवता के रूप में पूजते हैं आदिवासी- मुख्यमंत्री

- गीत-गोविन्द और किस्से कहानियों में होती है वाचिकता
- वाचिकता और मौखिक परंपरा पुरखों से मिलती है किताबों से नहीं

रायपुर (आरएनएस)। जनजातीय समुदाय पुरखों और प्रकृति को देवी-देवता मानकर उनकी आरधना करते है। गीत-गोविन्द, किस्से कहानियों और लोकसंगीतों में वाचिकता मौजूद होती है। वाचिकता और मौखिक परंपरा किताबों से नहीं, बल्कि पुरखों और बुजुर्गों से मिलती है। उक्त बाते आज नवा रायपुर स्थित जनजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित तीन दिवसीय वाचिकोत्सव में विशेषज्ञों और आदिवासी समुदाय के सदस्यों ने कहा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर राज्य में जनजातीय समुदायों की वाचिक और मौखिक परंपरा के संरक्षण के लिए अभिलेखिकरण के साथ ही इस परंपरा से अगली पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से तीन दिवसीय जनजातीय वाचिकोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आदिम जाति तथा अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में 3 दिवसीय 'जनजातीय वाचिकोत्सव 2023' का शुभारंभ किया।

कार्यशाला में जनजातीय देवी-देवता एवं मड़ई मेला के संबंध में वाचिक ज्ञान, लोक कहानियां, कहावतें एवं लोकोक्तियां और लोक संगीतों में वाचिकता व मौखिक परंपरा की मौजूदगी के संबंध में विषय-विशेषज्ञों तथा जनजातीय समुदाय के सदस्यों ने विस्तारपूर्वक चर्चा की।

रांची (झारखण्ड) से आये विषय-विशेषज्ञ अश्वनी पंकज ने कहा आदिवासी तौर-तरीकों को सहजने की प्रक्रिया को सहभागिता कहते है। वाचिक परंपरा में कोई गुरू या शिष्य प्रधान नहीं होता। एक दूसरे से सुनकर या बोलकर अथवा विभिन्न विधाओं के माध्यम से इसे आत्मसात् किया जाता है। आदिवासियों की वाचिक और मौखिक परंपरा को सहेजने की जरूरत है। राज्य सरकार ने इस दिशा में पहल की है, यह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय में कोई उच्च-नीच अथवा स्तरीयकरण नहीं है, पुरूष-स्त्री समान है, हांलकि जनजातीय समुदाय में मातृत्व प्रधान है, लेकिन इसका आशय शक्ति (सत्ता) से नहीं, बल्कि घर परिवार और समाज की सुरक्षा से है।

नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली के पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ भाषा और बोली के मामले में काफी समृद्ध है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तथ्य है कि जितनी अधिक बोली-भाषा होंगी, उतनी ही जैव-विविधता होगी, हमें इन दोनों को ही बचाना है। जनजातीय समुदाय की भाषा-बोली की रक्षा के साथ ही अन्य समाज के लोगों को भी इसके प्रति संवेदनशील बनाना चाहिए। कोण्डागांव निवासी जयमती कश्यप वाचिक और मौखिक परंपरा को छट्ठी कार्यक्रम का उदाहरण देकर बताया कि छट्ठी वाचिक परंपरा का ही स्वरूप है। प्राय: सभी समजों में छट्ठी कार्यक्रम किए जाते है। छट्टी कार्यक्रमों में बच्चों को संस्कार देने व वाचिकता को आने वाली पीढ़ी को बताने और सिखाने के लिए किया जाता है।

बस्तर के ग्राम पोटानार निवासी बाबूलाल बघेल ने जनजातियों में देवी-देवता में परिचर्चा में बताया कि वे मुंडा जनजाति के सदस्य है। तत्कालिन राजा के समय में माता दंतेश्वरी के अराधना और प्रार्थना के लिए मुंडा बाजा के साथ मां दंतेश्वरी की अराधना करने का रिवाज है तब से लेकर अब तक 75 दिनों तक चलने वाली बस्तर दशहरा के दौरान मुंडा बाजा के माध्यम से मां दंतेश्वरी की अराधना करने की परंपरा चली आ रही हैं।

सरगुजा संभाग के बलरामपुर से आये करणनाथ नगेशिया ने बताया कि उनका मातृ बोली सदरी है। नागदेव उनका टोटम है, प्रकृति की उत्पति की कहानी इन्हीं पर प्रचलित है। उनके क्षेत्र में आदिवासियों में मड़ई मेला मनाने की परंपरा प्रचलित नहीं है, लेकिन आदिवासियों ने जरूरत की वस्तुओं के लिए आदिवासी समुदाय में मेल-मिलाप की परंपरा है। ग्रामदेवता, बड़ादेव, बूढ़ादेव, कुदरगढ़हिन, धरतीमाई, गोड़ीमाई, महामाई को देवी-देवताओं के रूप में पूजा-अराधना कर जल, जंगल, जमीन, गांव की सुरक्षा, फसल की सुरक्षा, दुख तकलीफों को दूर करने के लिए अराधना की जाती है। इसके लिए ग्राम में एक देवगुड़ी में जाकर देवी-देवता को मनाने की परंपरा है।

बेलटिकरी गोठान बना स्वरोजगार का पर्याय : स्व सहायता समूह की महिलाएं कर रही मशरूम उत्पादन और विभिन्न सब्जियों की खेती

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले के बिलाईगढ़ स्थित बेलटिकरी गोठान समूह की महिलाओं के लिए एक तरह से स्वरोजगार का पर्याय बनता जा रहा है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना ग्रामीणों के हित में लिया गया ऐसा निर्णय है जिससे उन्हें वित्तीय मदद के साथ-साथ रोजगार भी मिल रहा है एवं वे आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रहे हैं। ग्रामीण महिलाओं को समूह के माध्यम से एक ही समय में एक से अधिक कार्य करके आर्थिक मजबूती प्राप्त करने का रास्ता गोठानों ने बखूबी दिखाया है। गोठानों से ग्राम स्वावलंबन का सपना साकार हो रहा है।

इसी क्रम में बिलाईगढ़ विकासखण्ड के बेलटिकरी गोठान में नंदिनी महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं एकजुट होकर मशरूम उत्पादन का कार्य बेहतर तरीके से कर रही हैं इसके अलावा गौठान में स्थित जमीन का उपयोग विभिन्न प्रकार की सब्जियों की खेती करने के लिए भी किया जा रहा है। इसके अलावा गौठान के जो नियमित कार्य जिनमें वर्मी खाद निर्माण एवं गोमूत्र संग्रहण एवं बिक्री के कार्य आदि हैं, उसमें भी सक्रियता से भागीदारी कर बड़ी मात्रा में निर्माण कार्य जारी है। समूह की महिलाओं द्वारा गौठान का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। गौठान की संकल्पना ही ग्रामीण स्तर पर पशुधन की महत्ता को ध्यान में रखते हुए उन्हें भरपूर चारा उपलब्ध कराना, गोबर से वर्मी खाद बनाना एवं प्राप्त गोमूत्र का संग्रहण करना था। पशुधन की महत्ता को साकार करती गोधन न्याय योजना अंतर्गत बेलटिकरी गोठान में इन सभी कार्यों का शत प्रतिशत निष्पादन किया जा रहा है।

वाटर फिल्टर प्लांट का भी किया जा रहा है संचालन- बेलटिकरी गोठान में वाटर फिल्टर प्लांट का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है जिसकी सहायता से पानी बॉटल एवं 20 लीटर पानी की जार तैयार की जा रही है एवं स्थानीय बाजार में उसका विक्रय किया जा रहा है जो कि निश्चित रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए स्वरोजगार का एक बेहतरीन विकल्प है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को जारी किया नोटिस

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में हुए शराब घोटाले के मामले में जांच कर रही ईडी को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। ईडी की कार्रवाई के खिलाफ आबकारी सचिव निरंजन दास ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। मामले में अगली सुनवाई 29 मई को होनी है और इसी दिन कारोबारी अरविंद सिंह, और अन्य की याचिका पर भी सुनवाई होगी।

बता दें कि आबकारी सचिव निरंजन दास ने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ आबकारी सचिव निरंजन दास ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। अपनी याचिका में ईडी की कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए ईडी के पीएमएलए के प्रावधानों को चुनौती दी है। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस पीएल नरसिम्हा की पीठ ने याचिका मंजूर कर ईडी को तीन दिन के भीतर जवाब दाखिल करने कहा है। केस पर आगामी 29 मई को सुनवाई होगी। इसी तरह पीठ ने कारोबारी अरविंद सिंह, अमित सिंह और, पिंकी सिंह की याचिका पर भी 29 तारीख को सुनवाई करेगी। अरविंद सिंह ने ईडी पर शराब घोटाला केस में रेड को दुर्भावनापूर्ण करार दिया है। साथ ही उन्होंने ईडी के पीएनएल के प्रावधान को भी चुनौती दी है। शराब घोटाला मामले में मुख्य आरोपी बनाये गये अनवर ढेबर की पत्नी करिश्मा ढेबर ने सुप्रीम कोर्ट के याचिका लगाई है जिसकी सुनवाई 4 जून को जस्टिस संजय किशन और जस्टिस असनुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ में होगी।

चटख धूप से लोग बेहाल, भीषण गर्मी से झुलस रहा पूरा प्रदेश

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच आज सुबह राजधानी में करीब दो घंटे तक छाए बादल और इस दौरान हुई हल्की बूंदाबांदी ने कुछ समय के लिए राहत दी। लेकिन इसके बाद निकली चटख धूप और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। मौसम विभाग के अनुसार अभी मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहेगा।

मौसम विभाग से जारी पूर्वानुमान के अनुसार कल बना ट्रफ अब उत्तर पश्चिम उत्तर प्रदेश से मध्य उत्तर होते हुए दक्षिण बांग्लादेश तक बना हुआ है। यह दक्षिण बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल में समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर बना हुआ है। वहीं उत्तर-दक्षिण दिशा में बना ट्रफ अब दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश से होते हुए तटीय कर्नाटक तक बना हुआ है

विदर्भ, तेलंगाना और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर स्थित है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले 48 घंटों के दौरान मौसम के मिजाज में कुछ खास परिवर्तन नहीं होगा। हालांकि बंगाल की खाड़ी से आ रही हल्की नमी के चलते राज्य के एक-दो स्थानों पर दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदल सकता है। इस दौरान एक-दो स्थानों पर तेज आंधी चलने अथवा गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना बनी हुई है।

खदान में सुरक्षा प्रहरी के साथ मारपीट व गुण्डागर्दी, दो आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। बांकीमोंगरा क्षेत्र के आदतन कबाड़ चोर और बदमाश धरम ने एक बार फिर आतंक मचाना शुरू कर दिया है। उसने साथियों के साथ एसईसीएल की कोरबा जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र में संचालित सुराकछार खदान में सुरक्षा प्रहरी के साथ आधी रात गुंडागर्दी की है। पुलिस ने मामले के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सुरक्षा प्रहरी शक्ति सिंह आत्मज इंद्र भुवन सिंह कंवर 29 साकिन घुड़देवा बस्ती थाना बांकीमोंगरा 21 मई को तृतीय पाली 11 बजे रात्रि से 22 मई के 7 बजे सुबह तक चेक पोस्ट 3 नंबर गेट में कार्यरत था। रात्रि 2.55 बजे धरम सिंह राजपूत, राजू बिंझवार एवं अन्य साथी वहां पहुंचे और कहा कि गेट खोलो हम लोग अंदर जाएंगे। सुरक्षा प्रहरी ने सुरक्षा अधिकारी एवं प्रबंधन को बिना सूचना दिये एवं बिना अनुमति किसी को भी अंदर जाने नहीं देने की बात कही। तब धरम सिंह राजपूत एवं राजू बिंझवार एवं उनके साथी गेट में जबरन घुस गए। गेट को खोलने के लिए तोडफ़ोड़ की गई। केबिन पर पथराव भी किया। इसके बाद चाबी छीनने की कोशिश की। नाकाम रहने पर सुरक्षा प्रहरी को गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी। शासकीय सेवक को हाथ मुक्का से एवं बेल्ट से धरम राजपूत ने मारपीट किया जिससे दोनों गाल, सीना में चोंट आई। सुरक्षा प्रहरी के शोर मचाने पर मनोज सिंह सुरक्षा प्रहरी एवं राजकुमार लिपिक दौड़ कर आये तब वे उन लोगों को देखकर भाग गये। घटना से अपने सुरक्षा अधिकारी श्यामलाल प्रभारी सिक्योरिटी सुराकछार को बताया। वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिक लैलेस थोकार उसे एसईसीएल चिकित्सालय ले गये व इलाज कराया। दूसरे दिन इस घटना की रिपोर्ट सुरक्षा कर्मी शक्ति सिंह कंवर ने बांकीमोंगरा थाना में दर्ज कराया। आदतन बदमाश धरम सिंह राजपूत, राजू बिंझवार व अन्य के विरुद्ध धारा 456, 332, 506, 186, 34, 294, 353, 323 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर धरम सिंह व एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नकली स्मार्ट वॉच बेचने वाला दिल्ली का ठग पकड़ाया

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर की गंज थाना पुलिस तथा एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम ने एक युवक को नकली स्मार्ट वॉच तथा ईयर पॉड्स बेचकर लोगों से ठगी करते हुए गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाईना मॉडल 15 नग एयरपॉड्स डिब्बा सहित तथा 7 नग स्मार्टवॉच जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई की थाना गंज क्षेत्रांतर्गत सुभाषनगर नहरपारा पास एक व्यक्ति घुम-घुम कर चाईना मॉडल के एयरपॉड्स एवं स्मार्टवॉच को असली होना बताकर लोगों को बिक्री कर ठगी कर रहा है। जिस पर अतिरिक्त पुलि अधीक्षक शहर/अपराध ने एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी गंज को सूचना की तस्दीक कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिस पर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम मोहसीन मलिक निवासी नॉर्थ ईस्ट दिल्ली का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके बैग की तलाशी लेने पर उसके बैग में चाईना मॉडल के एयरपॉड्स एवं स्मार्टवॉच रखा होना पाया गया। उक्त सामग्री क्रय एवं विक्रय करने के संबंध में वैध दस्तावेजों की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का दस्तावेज प्रस्तुत न कर टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह किया जा रहा था। कड़ाई से पूछताछ करने पर मोहसीन मलिक द्वारा उक्त सामानों को दिल्ली से लाना तथा लोगों को असली होना बताकर बिक्री करना बताया गया। जिस पर आरोपी मोहसीन मलिक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाईना मॉडल का 15 नग एयरपॉड्स डिब्बा सहित तथा 07 नग स्मार्टवॉच जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 420 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

भूमकाल आंदोलन के नायक गुंडाधुर की मूर्ति का मुख्यमंत्री ने किया अनावरण

- कुमरावंड स्थित शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय परिसर में किया गया मूर्ति की स्थापना

जगदलपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपने एक दिवसीय बस्तर प्रवास के दौरान कुमरावंड स्थित शहीद गुंडाधुर कृषि महाविद्यालय परिसर में भूमपाल विद्रोह के जननायक रहे वीर गुंडाधुर की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस अवसर पर अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि बस्तर के आदिवासी जननायक में से एक रहे वीर गुंडाधुर ने भूमकाल जैसे महान विद्रोह का नेतृत्व किया। आज उनकी प्रतिमा स्थापित कर उनके योगदान को चिरस्थाई बनाने का काम किया गया है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर में प्रतिमा स्थापित होने से हमारे युवा भी उनके अदम्य साहस और वीरता से परिचित हो सकेंगे। बस्तर क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आदिवासी संस्कृति के संरक्षण संवद्र्धन के लिए बस्तर के आदिवासी नायक सदैव मुखर रहे और अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।सरकार भी बस्तर सहित समूचे छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति को सहेजने लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण मद से स्वीकृत राशि दस लाख से निर्मित शहीद वीर गुण्डाधुर की मूर्ति के अनावरण के दौरान मुख्यमंत्री बघेल ग्राम नेतानार से पहुंचे वीर गुंडाधुर के परिजनों में उनके परपोते जयदेव नाग, पुनु नाग, दुलारू नाग, परदेसी नाग से भी मुलाकात की।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री कवासी लखमा, बस्तर सांसद दीपक बैज, बविप्रा के अध्यक्ष लखेश्वर बघेल, बविप्रा के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी,पूर्व सांसद नंद कुमार साय, संसदीय सचिव रेखचन्द जैन, विधायक नारायणपुर चंदन कश्यप,चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम, संजरी बालोद विधायक संगीता सिन्हा,महापौर सफीरा साहू, नगर पालिका अध्यक्ष कविता साहू, अक्षय ऊर्जा प्राधिकरण के अध्यक्ष मिथलेश स्वर्णकार, इंद्रावती बेसिन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा कमिश्नर श्याम धावड़े, आईजी सुंदरराज पी., कलेक्टर विजय दयाराम के. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.डी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ताकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU